सादा फाइबर
झोला (सपिङ्ग
ब्याग) चाहिएमा
सम्पर्क गर्नुहोला ।
प्रो. टीकाराम चौधरी
शुभम् कम्प्युटर
एण्ड स्क्रीन प्रिन्ट
धनगढी, बसपार्क (निकासरोड)
मोबाइल नम्बर:
९८०४६१३८३९, ९८६८७७१५४८

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक   भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

सामाजिक सञ्जालको
प्रयोग गर्दा
सावधानी अपनाऔं,
सामाजिक मर्यादाको
ख्याल गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २१ अंक २०० वि.सं. २०८० माघ २८ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४७) [Sunday 11 February 2024] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

प्रदेश सरकारसे एक वर्षे कार्यप्रगति सार्वजनिक

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २७ माघ । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे एक बरसके कार्य प्रगति सार्वजनिक करले बा । शनिच्चरके रोज धनगढीमे एक कार्यक्रमके विच मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह एक बरसके प्रगति सार्वजनिक करल हुइट ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालयसे एक वर्षमे करिब ९२ करोड राजस्व असुली करले बा । मन्त्रालयसे पूर्वाधार विकासमे विल्गैना करके प्रगति हुइल दाबी समेत करले बा । सडक, सडकपुल, खानेपानी तथा सरसफाइ, उर्जा जलस्रोत तथा नदी नियन्त्रणमे काम हुइल प्रदेश सरकारसे एक वर्षे कार्यप्रगति विवरणमे उल्लेख बा । ओस्टेक करके सहरी विकास तथा भवन निर्माण ओ यातायात व्यवस्था क्षेत्रके सुधारके लाग नीतिगत काम हुइल समेत मन्त्रालयसे दाबी करले बा । भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालयसे प्रदेश सरकार गठन हुइल एक वर्षमे ९१ करोड ६१ लाख राजश्व संकलन करल प्रगति विवरणमे उल्लेख बा ।

आर्थिक वर्ष २०७९/८० के कार्यक्रममे रहल पाँच हजार ३२९ आयोजनाके संख्या कटौती करके आर्थिक वर्ष २०८०/८१ के कार्यक्रममे एक हजार ९६१ आयोजना आघे बढैना करके बजेट विनियोजन करल भौतिक पूर्वाधार विकासमन्त्री प्रकाशबहादुर देउवा बटैलै । उहाँक अनुसार एक हजार ७५० क्रमागत ओ २१० आयोजना केल नयाँ हुइट । सरकारसे सम्भाव्यता अध्ययन हुइल आयोजनामे केल नयाँ योजनाके रुपमे आघे बढैना नीति डेहल मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह बटैलै ।

मन्त्रालयसे १२२ दशमलव ९७ किलोमिटर माटे सडक, ग्राभेल सडक १८५ दशमलव ९० किलोमिटर ओ कालोपत्र सडक १०८ दशमलव १९ किलोमीटर निर्माण हुइल जनैले बा । ओस्टेक करके ९ ठो सडकपुल निर्माण हुइल ओ ५२० इन्टेक निर्माण हुइल मन्त्रालय जनैले बा । उ मन्त्रालयसे ५६३ ठो पानी पोखरी, २ हजार ५०५ किलोमिटर पाइपलाइन जडान ओ ८२ हजार ७०२ जनहनहे आधारभूतस्तरके खानेपानी सेवा तथा १८ हजार ६ सय जनहनहे मध्यमस्तरके खानेपानी सेवा विस्तार हुइल बा ।

मन्त्रालयसे २०७ ठो नहरके निर्माण हुइल, ५२ दशमलव २१ किलोमिटर तटबन्ध निर्माण हुके ७ हजार ३४५ हेक्टर क्षेत्रमे सिँचाइ सुविधा पुगल, २ ठो सौर्य उर्जाके निर्माण करल मन्त्रालय जनैले बा । भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालयसे ४४ ठो जनता आवास योजना, ४ ठो एकीकृत नमुना बस्ती निर्माण हुइल जनैले बा । मन्त्रालयसे सहरी तथा भवन निर्माणओरके ३२ ठो योजना सम्पन्न हुइल जनैले बा । यातायात व्यवस्थाओर ७ हजार ६३९ दुई प्रङग्रे सवारी दर्ता, ८९७ तीन पाङग्रे सवारी तथा ७२७ चार पाङग्रे सवारी दर्ता हुइल सार्वजनिक प्रगति विवरणमे उल्लेख बा । साथै एक वर्षमे मन्त्रालयसे २० हजार ९५ चालक अनुमति पत्र वितरण करले बा । यातायात व्यवस्था कार्यालयके काम सहज हुइना करके सेवा सुधारके काम हुइटी रहल भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्री देउवाके कहाई बा ।

भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालयसे त्रिनगर भन्सार कार्यालय, कैलाली ओ कञ्चनपुर भन्सार कार्यालय गडडाचौकीमे भारत तथा टिसरा मुलुकसे अइना सवारी साधनके अस्थायी अनुमति वितरण कार्यहे प्रभावकारी बनैना आवश्यक नीतिगत व्यवस्था करे लागल जनैले बा ।

नीतिगत सुधारके कार्यमे विद्यमान ऐनमे समसामयिक सुधार करके प्रदेश निजामती सेवाहे व्यवस्थित कैना प्रदेश निजामती सेवा ऐन २०७९ हे संशोधन कैना विधेयक प्रदेश सभामे पेश हुइल जनागिल बा । स्थानीय सेवा सञ्चालन सम्बन्धी विधेयकके प्रारम्भिक मस्यौदा तयार हुके प्रदेश लोक सेवा आयोगके रायके लाग पठाइलमे राय प्राप्ति पश्चात लगत्तै प्रदेश सभामे पेश कैना तयारी करल बा ।

प्रदेश सरकारसे प्रवाह हुइना सेवा ओ शासकीय प्रवन्धमे आवश्यक पर्ना नीतिगत तथा कानूनी व्यवस्थाके लाग मन्त्रिपरिषदसे यी अवधिमे ५ ठो संशोधन विधेयक प्रदेश सभामे पेश हुइल बा । २ ठो विधेयक तर्जुमाके लाग सैद्धान्तिक सहमति प्रदान करल बा । उहे अवधिमे २ ठो नियमावली ८ ठो कार्यविधि ओ ३ ठो मापदण्ड निर्माण हुइल बा । एकीकृत छात्रवृत्ति निर्देशिका संशोधन करल बा ।

गत आर्थिक वर्षमे स्थानीय तहमे रु. १ अर्व ४७ करोड ८४ लाख ५१ हजार वित्तीय हस्तान्तरण हुइल मे चालू आर्थिक वर्ष २०८० ८१ मे झण्डै रु. ८७ करोड वृद्धि हुके रु. २ अर्व ३४ करोड ७५ लाख ७० हजार (कुल बजेटके ८ दशमलव २५ प्रतिशत) हस्तान्तरण करल बा । यिहीसे स्थानीय तह ओ प्रदेश सरकार बीचके आर्थिक सम्बन्ध प्रगाढ हुइटी गैल मुख्यमन्त्री शाह बटैलै । ओस्टेक समानीकरण ओ विशेष अनुदानमे २५ लाख ओ ५० लाख रुपैयाँके न्युनतम सिमा निर्धारण करके कार्यान्वयन करल बा ।

प्रदेश स्वरोजगार विकास कोष मार्फत ५० ठो सहकारीहे २४ करोड ८९ लाख रुप्या ऋण प्रवाह करके १ हजार २८७ जनहनहे स्वरोजगारी प्रदान करल बा ।

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना ओ मुख्यमन्त्री एकीकृत कृषि तथा पशुपन्छी विकास कार्यक्रम अन्तरगत ब्लक विकास कार्यक्रम ओ नमुना गाउँ कार्यक्रम मार्फत कृषि तथा पशुपन्छी क्षेत्रमे टमानज कृयाकलाप सञ्चालन हुके उत्पादन, उत्पादकत्व वृद्धि हुइल बा । *(बाँकी २ पेजमे)*

नेपाल शिक्षक संघ कैलारीके पाँचौ प्रतिनिधि सभा कार्यक्रम

पहुरा समाचारदाता
हसुलिया, २७ माघ । नेपाल शिक्षक संघ कैलारीके पाँचौं प्रतिनिधि सभा कार्यक्रम शनिच्चरके रोज हसुलियामे सम्पन्न हुइल बा ।

कैलारी गाउँपालिका अध्यक्ष राजसमझ चौधरीके बरका पहुनामे हुइल कार्यक्रममे नेपाली काँग्रेसके महासमिति सदस्य पुरन प्रसाद चौधरी, नेपाल शिक्षक संघ सुदूरपश्चिम प्रदेश अध्यक्ष डिल्लीराज पन्त ओ संघके जिल्ला अध्यक्ष तेजबहादुर सिंह विशिष्ट पहुना रहल रहिट ।

कार्यक्रममे सम्बोधन करटी कैंलारी गाउँपालिका अध्यक्ष तथा बरका राजसमझ चौधरी अपने निर्वाचित हुके आइलपाछे शिक्षाहे महत्वके साथ हेरटी रहल बटैलै । उहाँ कहलै, 'आघेक जनप्रतिनिधिके पालामे शिक्षा क्षेत्रमे कैलारीमे १ करोड ४० लाख केल बजेट छुटयइटी आइल रहे । हमार पालामे २ करोड २५ लाख बजेट विनियोजित करके शिक्षाहे महत्वके साथ हेरटी बटी ।'

गाउँपालिकासे गुणास्तरी शिक्षासंगे जिर्ण भवनके मर्मत सम्हार ओ अधुरा भवनके निर्माण पुरा कैटी रहल उहाँ बटैलै ।

ढेर जैसिन विद्यालयमे अभिन भवनके कमी बा,' गाउँपालिका अध्यक्ष कहलै, 'भवनके अभाव रहल विद्यालयमे दातृ निकायसे समन्वय करके विद्यालय भवन निर्माण करटी । जहाँ विद्यार्थी कम बटै कलेसे विद्यालय मर्जफे कैगिल बा ।'

गाउँपालिकासे शिक्षाके अवस्था बुझना वडा अध्यक्ष समिति तीन ठो समिति निर्माण करल ओ ओइने अनुगमन करके नानल समस्याहे गाउँपालिकासे ठप सुधारओर लागलफे उहाँ बटैलै ।

कैलारी गाउँपालिकामे ९०/९५ प्रतिशत कृषक रहल ओ यहाँ बाढ डुबानसे खेतीपाती नोक्सान हुके किसान मर्कामे परल कहटी मालपोत आधा तिर्ना कहलपाछे गाउँपालिका आम्दानीके स्रोत घटल बटैलै । गाउँपालिकासे शिक्षकहुकनके मनोबल गिर्ना कौनो काम नइकैना ओ ओइनके माग पुरा कैना पाछे नइपर्ना बटैलै ।

नेपाल शिक्षक संघ सुदूरपश्चिम प्रदेश अध्यक्ष डिल्लीराज पन्त शिक्षकहुक्रे अपन पेशागत सुरक्षाके ग्यारेन्टीके करल आन्दोलन सरकार पुरा नइकरल बटैलै । उहाँ कहलै, सरकार शिक्षा ऐन नन्नामे ढिलाई करटी रहल ओरसे दवाद डेना आवश्यक बा ।'

संघ जिल्ला अध्यक्ष तेजबहादुर सिह नेपाल शिक्षक संघ कैलारी पाँचौ प्रतिनिधि सभा कार्यक्रम कैना सफल हुइल कहटी धन्यवाद ज्ञापन करल रहिट । उहाँ कहलै, कैलालीमे १३ पालिका मन्से आउर पालिका अभिन प्रतिनिधि सभा कार्यक्रम नइकरले हो । कैलारीसे माघ महिनामे कैना कहल प्रगतिओर लम्कल विल्गाइल बा ।'

नेपाली काँग्रेसके महासमिति सदस्य पुरन प्रसाद चौधरी यिहीसे आघेक जनप्रतिनिधिके पालामे निजि शिक्षक ढेर समस्या भोगे परल बटैलै । ढेर शिक्षकके रोजरोटी गैलफे बटैलै । अब्बे सामुदायिक विद्यालयमे विद्यार्थी टिकैना कर्रा हुइल ओरसे अभिभावकफे सोचे पर्ना बटैले बटै । *(बाँकी ३ पेजमे)*

घोषणामे सीमित चरा आरण्य क्षेत्र

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २७ माघ । कैलालीके घोडाघोडी चरा अभय आरण्य क्षेत्र घोषणामे सीमित रहल बा । घोडाघोडी सिमसारके करिब छ हजार हेक्टर क्षेत्र समेटके सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे दुई बरसआघे घोडाघोडी चरा अभय आरण्य क्षेत्र घोषणा करल रहे ।

नेपालके पहिल चरा आरक्षके रूपमे सरकारसे घोडाघोडीहे चरा अभय आरण्य क्षेत्र बनैलेसे फेन व्यवस्थापनके सवालमे कुछ फेन नैकरल जनाइल बा ।

प्रदेश सरकारसे चरा अभय आरण्य क्षेत्रमे रहल ताल संरक्षण, व्यवस्थापनके लागि काम नैकरल चराविज्ञके आरोप बा । चरा संरक्षण नेटवर्कके अध्यक्ष एवं चराविद् दयाराम चौधरीके अनुसार प्रदेश सरकारसे बर्ड सेन्चुरी घोषणा टे करल मने संरक्षण, व्यवस्थापनके लाग अब्बेसम कुछ नैकरले हो । बर्ड सेन्चुरी गञ्जागोल बा । चरा अभय आरण्य क्षेत्र बनासेकलपाछे वहाँ करे पर्ना प्रमुख काम ताल संरक्षण रहल जनाइल बा । मिचाहा प्रजातिके कारण घोडाघोडीलगायतके ताल किनारसे भँठ्ठी गैल बावै । खुला रहल कारण चरा आरक्ष क्षेत्रमे चारुओरसे मनै प्रवेश कैना क्रम रोकल नैहो । ताल रहलेसे किल वहाँ चिँरै रहना कहटीचौधरी चिँरैनके बसोबास स्थान ओ प्रजनन क्षेत्र बचैना आवश्यक रहल बटैलै ।

उहाँ कहलै, "घोषणा करसेकलपाछे प्रदेश सरकारसे कम्तीमे फेन पाँच वर्षीय वा वार्षिक योजना बनाके काम करे पर्ना रहे मने हालसम सरकारसे घोडाघोडी बर्ड सेन्चुरीके लाग बजेट फेन छुट्याइल नैहो ।" सरकारसे घोषणा कैके बजेट विनियोजनसे अन्य कार्यक्रम लागु नैकरेबर घोडाघोडी चरा आरक्षहे कैसिक व्यवस्थापन कैना कना सवालमे सरकारी निकाय नै अलमलमे रहल बा ।

डिभिजन वन कार्यालय पहलमानपुरके सहायक वन अधिकृत राजीव चौधरीके अनुसार सरकारसे बिनाकौनो कार्ययोजना चरा अभय आरण्य क्षेत्र घोषणा करेबर का कैसिक संरक्षण ओ व्यवस्थापन कैना कना टुंगो लागे सेकल नैहो । घोडाघोडी चरा अभय आरण्य क्षेत्रके लाग कौनो एक्सन प्लान नहौके अब्बेसम कुछ फेन काम हुइ सेकल नैहो ।

चरा अभय आरण्य क्षेत्र घोषणा कैनाके अर्थ चराके बासस्थानमे असर नैपुाके संरक्षणके क्रियाकलाप कैना ओ उहीहे पर्यापर्यटनसँग जोरके फाइदा लेना रहल बटैलै । घोडाघोडीहे प्रदेश सरकारसे २०२१ मार्च ११ मे नेपालके पहिल चरा अभय आरण्य क्षेत्र घोषणा करल रहे ।

घोडाघोडी चरा आरक्ष घोषणापाछे प्रदेश सरकारसे वहाँ काम करटी रहल उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरणमन्त्री रमेश धामीके कहाइ रहल बा । उहाँसिमसार क्षेत्रमे एक/डेढ करोड रुपियाँमे काम हुइटी रहल उल्लेख करलै । घोडाघोडी चरा अभय आरण्य क्षेत्रमे इ बरस पानीमे बैठ्ना चराके संख्याममे कुछ बढोत्तरी हुइल बा । यहाँ टमानदुर्लभसहित ३८० प्रजातिकेचिँरै पैना करल बाटै ।

मोवाइलको लतबाट बालबालिकालाई बचाऔं

- मोवाइलको लत लागेका बालबालिकामा निन्द्रा ढिलो लाग्ने, गहिरो निन्द्रा नलाग्ने र पटक पटक ब्युझँने समस्या देखिन सक्छ,
- मोवाइलको लतले बालबालिकाको मष्तिष्क विकासमा नै असर पुऱ्याउन सक्छ,
- मोबाइल देखाएर खाना खुवाउनाले बालबालिकालाई खानाको स्वाद थाहा नहुन सक्छ,
- यसले पाचन प्रणालीमा समस्या हुन सक्दछ,
- उनीहरुलाई कुराकानी गरेर, डुलाएर, गीत गाएर तथा उनीहरूको हाउभाउमा प्रतिक्रिया जनाउँदै खाना खुवाऔं,

अभिभावकले अत्याधिक मोबाइल चलाउँदा बालबालिकालाई मोवाइलको लत बस्न सक्दछ,
त्यसैले अभिभावकले मोवाइलको कम प्रयोग गरौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

राष्ट्रिय अबिष्कार केन्द्रहे स्टेपिङ स्टोनसे ५१ हजार रुपैयाँ सहयोग

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ माघ । धनगढीके स्टेपिङ स्टोन इङलिस स्कूलसे राष्ट्रिय अबिष्कार केन्द्रहे आर्थिक सहयोग करले बा ।

शनिच्चरके स्कूलके ३२ बार्षिकोत्सवके अवसरमे केन्द्रहे ५१ हजार रुपैयाँ सहयोग करल हो । सहयोग रकम केन्द्रके अध्यक्ष डा. महाबीर पुनहे हस्तान्तरण करल हो ।

पुनहे विद्यालयसे सम्मान समेत करले बा । स्कूलके ३२औंबार्षिकोत्सवके बर्का पहुना एवं सुदूरपश्चिम प्रदेशके प्रदेश प्रमुख देवराज जोशी पुनहे खादा ओह्राके सम्मान फेन करल रहिट । कार्यक्रममे पुन अपने किताव विक्रि कैके बिरगंजके कृषि औजार कारखाना सञ्चालन कैके प्रतिबद्धता समेत करल रहिट । ओक्रे लाग अब्बे किताब बिक्रीके लाग देश दौडाहमे रहल उहाँ उल्लेख करलै ।

प्रदेश सरकारसे...

साना सिँचाइ, कोल्ड च्याम्बर ओ कृषि उपज संकलन केन्द्र लगायतके कृषि पूर्वाधार निर्माणके क्षेत्रमे लगानी बढाके कृषिजन्य उत्पादनके उत्पादकत्व वृद्धि, संकलन, भण्डारण ओ बजारीकरणमे सहयोग हुइल बा ।

कृषि अनुदान प्रणालीहे व्यवस्थित कैना कार्यविधि निर्माण करके उहे अनुरुप अनुदान वितरण कार्यहे आघे बढाइल बा । व्यवसायिक कृषि प्रवर्द्धनके लाग सून्य व्याजदर (साँवा रकम फिर्ता हुइना नीति, अवलम्बन कैना कार्यविधि निर्माण अन्तिम चरणमे रहल बा । कृषि ओ पशुपन्छीमे लग्ना रोग निवारण करके सम्भावित क्षतिसे बच्न उपचारात्मक ओ निरोधात्मक कार्यक्रम, माटी परीक्षण कार्य सञ्चालन करल बा । आकस्मिक रुपमे डेखा परल लम्पी स्किन रोगहे नियन्त्रण करल बा ।

मल तथा बीऊविजन वितरणहे सहजीकरण करटी उन्नत बीउ उत्पादनके कार्यक्रमहे प्राथमिकतामे धारल बा । उत्कृष्ट कृषक सम्मान कार्यक्रम सञ्चालन करल बा ।

सडक, पुल, खानेपानी, शहरी विकास, भवन निर्माण जैसिन पूर्वाधार निर्माणके क्षेत्रमे टमान नयाँ ओ परिवर्तनकारी आयोजना निर्माण कार्यके थालनी हुइल बा । स्थानीय तहके पालिका केन्द्रहे मुख्य राजमार्गसंग जोरना सडक बाहै महिना सञ्चालन हुइना करके स्तरोन्नती कैना कार्य आघे बढ़ाइल बा । प्रदेश प्रमुख एकीकृत बस्ती विकास कार्यक्रम अन्तरगत डडेलधुरा ओ बाजुरा जिल्लामे वस्ती विकास कार्यक्रम सुरु करल बा ।

विद्युतीय चार्जिङ स्टेशन सहितके रिफ्रेस्मेन्ट सेन्टरके सम्भाव्यता अध्ययन, कर्णाली तथा महाकाली नदीमे जल यातायात जल मनोरञ्जन कार्यके सम्भाव्यता अध्ययन, धनगढीके मुख्य चौराहामे अत्याधुनिक क्यामरासहितके ट्राफिक सुरक्षा सम्बन्धी कार्यके शुरुवात करल बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिकाके मुख्यवजार क्षेत्रमे रहल कैलाली पुलसे हुलाकी सडक जिरो किलोमिटरसमके सडक निर्माण कार्य आघे बढाइल बा । धनगढीहे आधुनिक ओ व्यवस्थित सहर निर्माण कैना कार्य आघे बढाइल ओ क्रमश: और ८ ठो जिल्लाके प्रमुख सहरमे समेत कार्यान्वयन करटी लैजैना बा ।

कैलाली ओ कमनपुर जिल्लामे सिकलसेल एनिमिया ओ थालेसिमीया स्क्रीनिङ क्याम्प सञ्चालन करल बा । "मुक्त कमैया, हलिया तथा कमलरी पुन:स्थापना कार्यबिधी, २०८०" निर्माणके लाग सम्बन्धित मन्त्रालयमे रायके लाग पठाइल बा । सुदूरपश्चिम स्तरीय बडघर, भल्मन्सा प्रथा संरक्षण सम्वर्द्धन ऐन मस्यौदा २०८० निर्माण समिति गठन करके काम आघे बढाइल बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहिट...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

समाजमे एकल महिला

गम्भीर होके चिन्तन करटि जैना हो कलेसे हम्रे पुरुष ओ महिलाके संयुक्त, सामूहिक ओ परिवारिक रूपमे रहल अत्यन्त रमाइला चित्र पाइ सेकठ । साँच्मे यी विश्व मानव समुदायके एक विशाल समाज हो । यी विशाल समाजभित्रे पुरुष ओ महिलाके उच्च योगदान ओ त्यागके ज्वलन्त नमुना पाइ सेकि । फलस्वरूप मानव समाजहे अत्याधुनिक प्रविधिके युगसम पुगैना सफल फेन हुइल बा । यी सफलतामे केक्रो मन पुलकित नैहुइ टे !

बाँदर युगसेके विकास क्रमहे अध्ययन करना हो कलेसे पुरुष ओ महिलाके अस्तित्वहे सहजिलसँग बुझ्रे सेकि । सृष्टिके संरचनामे पुरुष ओ महिलाके अतुलनीय सहभागिताके प्रसंगहे आत्मसात् करे परठ । इतिहाससे श्रम ओ ताकतके मापन करे लागल । प्राकृतिक रूपमे महिला शारीरिक रूपमे कमजोर हुइलपाछे मानव समाजभित्रे एक मेरिक हलचल मच्चल । ओत्रे किल नैहोके, महिला सन्तान जन्माइ सेक्ना प्रकृतिक क्षमतासे पुरुष समाजके चिन्तनमे धेरथोर परिवर्तन हुइटि गैल, यिहिनसे फलस्वरूप महिलाहे उपभोगके वस्तु ओ सन्तान जन्मैना मेसिनके रूपमे हेरे लागल ।

मानव सभ्यताके विकासके क्रममे पुरुष अपन शक्तिके आधारमे महिलाहे अपन अधीनमे ढरना परम्पराके विकास हुइ लागल । ओत्रे पकल कहाँ हो ! एक जाने पुरुष एकसे ढेर महिलाहे अपन अधीनमे ढरना चलन फेन चले लागल । यकर साथे पुरुष समाज जमिनउप्पर फेन अपन आधिपत्य जमैना प्राथाके सुरुवात हुइ लागल । अइसिके पुरुष अपन परिवार ओ समाजमे एकाधिकार जमाइ लागल । कामके बाँडफाँटमे परिवारके आकार हेरके भागबन्डा करे लागिगल । यी प्रथासे परिवारमे विभेदके भावना जन्म हुइल । महिलाहे दोसर दर्जाके रूपमे स्थापित करटि जैना चिन्तनके फेन विकास हुइल । जत्रा मानव समाजके विकास हुइटि गैल, ओत्रे नयाँ संरचना, दृष्टिकोण ओ परम्पराके फेन विकास हुइटि गैल । पुरुष समाजके मानसिकतामे फेन महिलाप्रति हेरना दृष्टिकोणमे परिवर्तन हुइटि गैल । महिलाहे अपन निजी सम्पत्तिके रूपमे हेरे लागल । यद्यपि उ समयमे एक ठाउँके महिलाहे औरे ठाउँमे नानेक लाग शक्ति प्रदर्शनके आवश्यकता रहे । टमान मनै जम्मा कैके महिलाहे अपन ठाउँमे नन्ना करठैं । यी शक्तिहे देखके सायद महिला अपनहे सहजिलसँग समर्पण करडिइ ।

पाछेपाछे महिलाहे अपन बनैना चलनहे विवाहके नाम डेहे लागिगल । विवाह प्रथाहे वैधानिकता फेन डेगिल । यी प्रथा डिरेसे परिवारके रूप लेहे लागल । जन्म दिनहे डाइ ओ महिला गर्भवती बनैना पुरुषहे बा कहे लागिगल । अइसिके परिवारके स्थापना हुइल डेखाइठ । महिला अपन समय सन्तान जन्मैना ओ हुर्कैनामे बिटैलैं । एक परिवारमे श्रीमान्के मृत्यु हुइल कलेसे श्रीमती सती जैना प्रथा फेन चलल । सती प्रथाके टे अन्त्य हुइल मने विधवा प्रथा सुरु हुइल । गोसियक मृत्युपाछे होकान गोसिनिया लाल लुग्रा ओ शृंगारके सामानसे डुरे बैठेपरना संस्कारके सुरुवात हुइल । विवाह कल बिहानसे कथंकदाचित् गोसियक मृत्यु हुइल कलेसे होकान श्रीमती जीवनभर औरे विवाह करना टे डुर जाएह परपुरुषके अनुहारसम हेर्ना नैहुइना कना संस्कारके विकास हुइल । एकडम हरिराम जपके भगवान्हे समझके अपन जीवन बिटाइ परना हुन ! मिठ ओ पोषिलो खैनाचिज फेन खाइ नैपरल ! आजकाल टे यी चलन फेन हट्टा ।

महिलाहे हेर्ने दृष्टिकोणमे कुछ फरक रलेसे फेन व्यवहारमे ढेर परिवर्तन हुइना अभिन बाँकी बा । आज फेन कुछ ठाउँमे उहाँहुकनहे परिवार ओ समाजसे हेय दृष्टिसे हेरना करठैं । आर्थिक विपन्नता ओ वृद्ध फेन रलेसे टे और बोक्सी, चुडेल, डायन आदि शब्द प्रयोग करना करठैं । शंका शंके भरमे शारीरिक ओ मानसिक यातना फेन डेना करल पाजाइठ ।

आर्थिक ओ शैक्षिक अवस्था फरक होके जौनफेन उमेरके एकल महिला धर्मसंस्कृतिके कारण भेदभाव ओ ज्यादतीके सिकार बनल बटैं । एकल महिला बेला बेलामे शारीरिक ओ यौन हिंसा ओ घरेलु हिंसासे फेन पीडित बटैं । कहुँ कहुँ टे एकल महिलाहे अलच्छिनी जस्टे अपशब्द फेन प्रयोग करल पाजाइठ । यिहिनसे एकल महिलाके मनोबलमे असर पुगैटि बा । समाजमे यस्टे व्यवहार पाके एकल महिलाके जीवन तातुल तावामे छटपटाइल माछा जस्टे हुइल बा । लोकतन्त्रके स्थापनापाछे एकल महिलाहे लाल अबिर, लाल कपडासे सजाडेना कार्य नैहुइल नैहो मने अत्रा करटिमे एकल महिलाके जीवन सुखमय हुइ नैसेकि । एकल महिलाहे राज्यसे वार्षिक ४८ हजार रुपैयाँ प्रदान करटि आइल बा । यिहिनसे कुछ राहत टे मिलल बा मने दिन दुई गुना रात चौगुनाके दरसे हरेक क्षेत्रमे महँगी ढह्रटि बा । यी अवस्थामे उहाँहुकनके जीवन कष्टप्रद बा ।

> घरभित्रे ओ घरबाहेर हुइना टमान मेरिक समाजिक तथा सांस्कृतिक हिंसासे उहाँहुकनहे सुरक्षित ढरे परठ । आर्थिक रूपमे निर्भर कराइक लाग आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन करे परठ । मानव अधिकार संरक्षण करना समाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक न्यायके लाग विभेदपूर्ण कानुन हटाके सकारात्मक नीति ओ नियमके निर्माण करे परठ । नेवार जातिमे एक संस्कृति बा । उ हो– छाइक बेल विवाह । बेल विवाह करलेसे ११ दिनसम सूर्यहे हेरे नैपरठ । १२ औँ दिनके दिन विधि अनुसार सूर्यके दर्शन करजाइठ । सूर्यहे वरके रूपमे मानजाइठ । वास्तवमे भट्ट सुन्लेसे कुछ मनमे कुछ शंका लागे सेकि मने यी संस्कृति छाइहे पूर्ण रूपमे विधवा अथवा एकल हुइनासे सुरिक्षत ढरल बा । यी संस्कृतिसे बेलहे महादेवके प्रतिरूप मानल बा । यसर्थ महादेव कलेक आदिसे अन्त्यसम अजर, अमर, निराकार, साकार सब चिज रहठ । टबेमारे छाइक विवाहपाछे श्रीमान्के मृत्यु हुइलेसे फेन ओइन विधवा नैहुइठैं । यी संस्कृतिसे नेवार जातिमे छाइहे एकल महिला हुइनासे बचैले बा । महिला ओ पुरुषमे विभेद कायमे रहल उदाहरण यहाँ फेन प्रस्तुत करे सेकजाइ । श्रीमतीके मृत्युपाछे श्रीमान् ना किरियामे बैठे परठ ना टे उहाँहुक्रे सेतो वस्त्र लगाइ परठ । बरु श्रीमती मृत्यु हुइल श्रीमान्के घरबार बिग्रे लागल कटि औरे विवाहके लाग लवण्डी खोजे लगैं । टबेमारे संस्कारके बाटमे फेन समानता हुइना जरुरी बा । विवाहपाछे महिला ओ पुरुष एकऔरेक परिपूरक हुइना करठ । एकऔरेक सुखदु:खके साथी बन्ना करठैं ।

अइसिके पितृसत्तात्मक समाजसे महिलाके खुसी, स्वतन्त्रता, अधिकार सब कुण्ठित करे लग्लैं । महिलाहे समाजिक परम्परा, धार्मिक अन्धविश्वास तथा स्वर्ग ओ नरकके भयभित्रे गुम्स्याइ लागल । महिला स्वच्छन्द आकाशमे पखेटा फिँजाके उरे नैपैलैं । ओनके पखेटा घरके चार घेराभित्रे कैँचीरूपी संस्कारसे चटचट कटे लागल । 'बिचरी' शब्दसे महिलाहे दया ओ सहानुभूतिके जालाभित्रे ढरे लागल । वास्तवमे परिवाररूपी रथहे सहज ओ सरल ढंगसे परिचालित करना श्रीमान् ओ श्रीमतीरूपी दुई पांग्राके आवश्यकता महसुस करल हो । यी सत्य फेन हो । यी सत्यभित्रे लुकल तथ्यहे घिउ थप्टि आगी बरना काम महिलाहे प्रताडित करना सिपालु पुरुष चिन्तनके देन हो ।

काल्हके दिनमे श्रीमान्के मृत्यु हुइल श्रीमतीहे विधवा कहिजाए । आज ओहे महिलाहे 'एकल महिला' कहिके सम्बोधन करना चलन चलेल बा । यिहिनहे सकारात्मक रूपमे फेन लेहे सेकि । एकल महिला बेला बेलामे शारीरिक ओ यौन हिंसा ओ घरेलु हिंसासे फेन पीडित बटैं ।

रोजगारी ओ अध्ययनके क्रममे देशके युवा विदेश जैटि बटैं । यी संस्कार तीव्र गतिमे बह्रल बा । यिहिनसे एकल महिला परिवारमे फेन एक्केलि जीवन बिटाइ परल बा । अइसिन अवस्थामे

विचार
सुशीला प्रधानांग

राज्य एकल महिलाके वास्तविक तथ्यांक ढरे परठ । एकल महिलाके रेखदेख करना जिम्मेवारीके व्यवस्थामे फेन राज्य ध्यान डेहे परल । नैहो कलेसे युवाहे स्वदेशमे रोजगारी ओ अध्ययनके व्यवस्थ करे परठ । एकल महिलाहे कानुनी झमेला परना करल बा । उहाँहुकनके लाग कानुनी सहायता फेन उपलब्ध कराइ परठ । राज्यसे नि:शुल्क कानुनी सहयोगके छुट्टे निकायके स्थापना करे परठ । उहाँहुकनहे घरव्यवहारके विषयमे अलग ढरजाइठ । फलस्वरूप उ महिला मानसिक रूपमे पीडित बने पुगठ । अइसिन अवस्थामे राज्यसे बलगर कानुन बनाइ परठ । बेला बेलामे अइसिन परिवारके अनुगमन करना आवश्यक बा ।

घरभित्रे ओ घरबाहेर हुइना टमान मेरिक समाजिक तथा सांस्कृतिक हिंसासे उहाँहुकनहे सुरक्षित ढरे परठ । आर्थिक रूपमे निर्भर कराइक लाग आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन करे परठ । मानव अधिकार संरक्षण करना समाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक न्यायके लाग विभेदपूर्ण कानुन हटाके सकारात्मक नीति ओ नियमके निर्माण करे परठ । नेवार जातिमे एक संस्कृति बा । उ हो– छाइक बेल विवाह । बेल विवाह करलेसे ११ दिनसम सूर्यहे हेरे नैपरठ । १२ औँ दिनके दिन विधि अनुसार सूर्यके दर्शन करजाइठ । सूर्यहे वरके रूपमे मानजाइठ । वास्तवमे भट्ट सुन्लेसे कुछ मनमे कुछ शंका लागे सेकि मने यी संस्कृति छाइहे पूर्ण रूपमे विधवा अथवा एकल हुइनासे सुरिक्षत ढरल बा । यी संस्कृतिसे बेलहे महादेवके प्रतिरूप मानल बा । यसर्थ महादेव कलेक आदिसे अन्त्यसम अजर, अमर, निराकार, साकार सब चिज रहठ । टबेमारे छाइक विवाहपाछे श्रीमान्के मृत्यु हुइलेसे फेन ओइन विधवा नैहुइठैं । यी संस्कृतिसे नेवार जातिमे छाइहे एकल महिला हुइनासे बचैले बा ।

महिला ओ पुरुषमे विभेद कायमे रहल उदाहरण यहाँ फेन प्रस्तुत करे सेकजाइ । श्रीमतीके मृत्युपाछे श्रीमान् ना किरियामे बैठे परठ ना टे उहाँहुक्रे सेतो वस्त्र लगाइ परठ । बरु श्रीमती मृत्यु हुइल श्रीमान्के घरबार बिग्रे लागल कटि औरे विवाहके लाग लवण्डी खोजे लगैं । टबेमारे संस्कारके बाटमे फेन समानता हुइना जरुरी बा । विवाहपाछे महिला ओ पुरुष एकऔरेक परिपूरक हुइना करठ । एकऔरेक सुखदु:खके साथी बन्ना करठैं । जीवनरूपी रथके दुई पांग्रा हो– महिला ओ पुरुष । सिक्काके दुई पाटा हो– श्रीमान् ओ श्रीमती । दुनु जहनके पाइला सँगसँगे नेंगे परठ । नेंगल फेन बटैं । दौरल फेन बटैं ।

यी प्रसंगहे यहाँ प्रस्तुत करनाके तात्पर्य श्रीमान्के मृत्युपाछे श्रीमती एकल हुइठि टे कना प्रश्न हो । एक्काइसौँ शताब्दीके आजके महिला आधा आकाश, आधा धरती ओगटके बैठल बटैं । स्वतन्त्रता ओ समानताके *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

उपभोग्य वस्तुके भाउ बिस प्रतिशत बह्दल

काठमाडौं, २७ माघ । पाछेक समय दैनिक उपभोग्य वस्तुके भाउ महँगल बा । बिटल एक वर्षके बिचमे भाउ नैबह्दल उपभोग्य वस्तु नैहो । एक हजार रुपैयाँ चार जहनके परिवारहे दुई छाक टरना गाह्रो हुइल अनुभव घरेलु श्रमिकके रूपमे काम करना सन्जुमाया गुरुङ सुनैलैं । उहाँ कलैं, "काम करल ठाउँमे तलब बह्दल नैहो, एक वर्षके बिचमे खैना चिजके भाउ बह्दके कहाँ पुगल कैसिक बच्न हो ? गरिबहे टे बच्न गाह्रो होसेकल ।" सबसे सस्ता चामलके भाउ प्रतिकेजी ८० रुपैयाँ पुगल बा, खैना चिज तरकारी सब अस्टेक बह्दल बा । सन्जुमाया टे एक प्रतिनिधि पात्र किल हुइटि । महँगीके मारमे दैनिक काम कैके कमाके ज्यालासे परिवार पालेपरना ओ न्यून आय हुइल आमउपभोक्ता परल बटैं ।

नेपाल खुद्रा व्यापार संघके अनुसार गैल एक वर्षके बिचमे सबजैसिन उपभोग्य वस्तुके भाउ औसतमे २० प्रतिशत महँगल बा । संघके अध्यक्ष पवित्र वज्राचार्य एक वर्षयहोरके हरेक उपभोग्य वस्तुके मूल्य विश्लेषण कैके हेरलेसे कौनो १० से ५० प्रतिशतसम महँगा हुइलेसे फेन औसतमे २० प्रतिशत महँगा हुइल पाइल जानकारी डेलैं ।

संघके अनुसार गैल माघमे प्रतिकेजी ६५ से ७० रुपैयाँ रहल गहुँके आँटा बह्दके ९५ रुपैयाँ होके अब्बे ८० रुपैयाँमे कारोबार हुइल बा । अस्टेक मैदा प्रतिकेजी ६५ रुपैयाँसे ११० रुपैयाँसम पुगके अब्बे घटके प्रतिकेजी ७५ रुपैयाँमे किनबेच हुइटि बा । संघके अध्यक्ष वज्राचार्य गहुँक पिठा ओ मैदाके भाउ कुछ घटलेसे फेन यिहिनसे तयार करना बिस्कुट ओ पाउरोटीके परिकार नैघटल बटैलैं । चामल, दाल, गेडागुडी, चिउरालगायतके सामान १० से १५ प्रतिशतसम महँगा हुइल उहाँक कहाइ बा ।

असन चोकमे खुद्रा व्यापार करटि रहल खुद्रा व्यापार संघके महासचिव अमुलकाजी तुलाधर अधिकांश खाद्य वस्तुके भाउ महँगा हुइल ओरसे उपभोगमे भारी ह्रास हुइल अनुभव सुनैलैं । वर्षौंसे ओहे चोकमे व्यापार करटि रहल तुलाधर कलैं, "हरेक महिना चार केजी दाल, चार केजी गेडागुडी किन्ना उपभोक्ता आधा घटाके दुई/दुई केजीमे सीमित करले बटैं । मजा ब्रान्डके चामल किनुइया सस्ता ब्रान्डके चामल किने लागल बटैं ।"

उपभोक्ता अधिकारकर्मी प्रेमलाल महर्जन महँगा हुइल विषयमे ढेर खाद्य वस्तु किल बाहेर अइठैं मने एक वर्षके बिचमे लत्ताकपडा, भाँडाकुँडा, विद्युतीय सामग्रीलगायतके सब वस्तुके भाउ बह्दल बटैलैं । उहाँ सरकारसँग बजारमे कौनो वस्तुके कत्रा माग हो, कत्रा खपत हुइ कना कौनो तथ्यांक नैरहल कारण बजार कुछ मुठीभर व्यापारीके नियन्त्रणमे हुइल ओरसे उपभोक्ता एकडम मारमे परेपरना अवस्था रहल बटैलैं ।

हुइना टे नेपाल राष्ट्र बैंकसे चालु आर्थिक वर्षके छ महिनाके उपभोग्य वस्तुके मूल्यवृद्धि अगहनसम लगातार घटलेसे फेन पुससे बह्दल तथ्यांक सार्वजनिक करले बा । मने पुसमे पुनः बह्दके वार्षिक बिन्दुगत उपभोक्ता मुद्रास्फीति ५.२६ प्रतिशत रहल राष्ट्र बैंक जनैले बा । आघेक वर्ष डेखाइल उच्च मुद्रास्फीतिके 'बेस इफेक्ट' असोजके तुलनामे कात्तिकमे महँगी घटल रहे ।

गैल आव २०७९/८० पुसमे वार्षिक बिन्दुगत मुद्रास्फीति ७.२६ प्रतिशत रहे । गैरखाद्य तथा सेवा क्षेत्रसे खाद्य तथा पेय पदार्थ समूहके मुद्रास्फीति उच्च रहल राष्ट्र बैंक जनैले बा । पुसमे खाद्य तथा पेय पदार्थके मुद्रास्फीति ५.७७ प्रतिशत ओ गैरखाद्य तथा सेवा समूहके मुद्रास्फीति ४.८५ प्रतिशत रहल राष्ट्र बैंक जनैले बा ।

२०८० पुसमे घिउ तथा तेल, तरकारी, मासु तथा माछा ओ यातायात उपसमूहके वार्षिक बिन्दुगत मूल्य सूचकांक घटल राष्ट्र बैंक जनैले बा । मरमसला ओ चिनी तथा चिनीजन्य वस्तु उपसमूहके सूचकांकमे समेत क्रमशः कमी हुइटिरहल राष्ट्र बैंक जनैले बा । वार्षिक बिन्दुगत आधारमे २०८० पुस महिनामे आयात मूल्य सूचकांक, तलब तथा ज्यालादर ओ थोक मूल्य सूचकांकके वृद्धिदरमे समेत कमी आइल बा ।

नेपाल शिक्षक संघ...

नेपाल शिक्षक संघ कैलालीके अर्थ सचिव देवराज जोशी शिक्षक समस्या स्थानीय तह, प्रदेश ओ संघीय सरकारसे बुझना जरुरी रहल बटैलै । संघके जिल्ला सदस्य मदन प्रसाद पौडेल अपनेहुत्रके शिक्षकहुकनके माग सम्बोधनके लाग ज्ञापनपत्र बुझाइलमे टमान माग पुरा ओ बाँकी मागफे सम्बोधनके लाग आग्रह करलै ।

कार्यक्रममे वडा नम्बर ३ के वडा अध्यक्ष सन्तराम चौधरी, नेपाली काँग्रेसके महाधिवेशन प्रतिनिधि तथा कैलारी गाउँपालिकाके प्रवक्ता वडा नम्बर ७ के वडा अध्यक्ष दिपेन्द्र बहादुर बम स्थानीय सरकारसे करल कामबारे शिक्षकफे अपन ठाउँसे जानकारी करैना बटैलै । गाउँपालिकासे प्रदान टमान सेवा सुविधाबारे अभिन जनता पत्ता नइपैले हुइट, ओकरबारेफे जानकारी करैना आवश्यक बा ।

नेपाली काँग्रेस कैलारी गाउँपालिका सभापति कृष्णप्रसाद चौधरी शिक्षकहुकनके आवश्यकता पुरा कैना अब्बेक सरकारसे ढेर ध्यान डेहल बटैलै । उहाँ कहलै, 'कौनो विद्यालयके समस्या बा, तलब खाई नइसेक्ना अवस्था बा कलेसे समयमे जानकारी करलेसे ओकर समाधान कैना पाछे नइहटब ।'

नेपाली काँग्रेसके महाधिवेशन प्रतिनिधि मनिराम चौधरी शिक्षक संघहे बल्गर बनैना पार्टी लागल बटैलै ।

कार्यक्रममे दिपेन्द्र माविके प्रअ विनोद भट्टराई गाउँपालिकासे शिक्षकके माग सम्बोधन कैनामे अग्रसर रहल बटैलै । उहाँ कहलै, 'ढेर जैसिन विद्यालयके भवन जिर्ण हुके पठनपाठनमे समस्या रहे । अब्बेक स्थानीय सरकारसे मर्मत सम्हार कैले बा ।'

कार्यक्रममे नेपाल शिक्षक संघ कैलारीसे सेवा निवृत शिक्षक वेचन महतों, माया चौधरी ओ लालबहादुर चौधरीहे दोसल्ला सहित सम्मान करले बा । ओस्टेक टमान विद्यालयके प्रअ हुकनफे कदरपत्रसे सम्मान करले बा ।

नेपाल शिक्षक संघ कैलारीके अध्यक्ष सन्तोष चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे बार्षिक प्रगति विवरण सचिव पुरन चौधरी प्रस्तुत करल रहिट । कार्यक्रममे स्वागत मन्तव्य संघके उपाध्यक्ष विना चौधरी ओ संचालन वृक्षलाल चौधरी करल रहिट । कार्यक्रममे वडा नम्बर १ के वडा अध्यक्ष धोजहरिपाल बोहरा, वडा नम्बर ४ वडा अध्यक्ष ठागुराम चौधरी, वडा नम्बर ५ वडा अध्यक्ष विष्णु प्रसाद चौधरीलगायत नेपाल शिक्षक संघके प्रतिनिधि, वडा सदस्यहुकनके सहभागिता रहे ।

यिहे विच नेपाल शिक्षक संघसे गाउँपालिका अध्यक्ष राजसमझ चौधरीहे ४ बुँदे मागसहितके ज्ञापनपत्र बुझैले बा । उ मागमे सामुदायिक विद्यालयमे कार्यरत निजि स्रोतके शिक्षकहुकनहे गाउँपालिका शिक्षकमे नियूक्ती करके उचित तलब स्केल तथा सेवा सुविधाके व्यवस्था करे पर्ना, स्थानीय भाषा शिक्षकहुकनहे गाउँपालिकासे नियूक्ती पत्रके व्यवस्था करटी समयमे तलब भत्ताके व्यवस्था करे पर्ना, सामुदायिक विद्यालयहे बालमैत्री बनैना सफा स्वच्छ आर्कषण केन्द्रके योजनासहित आर्कषक कार्ययोजना लागु कैना पहल करेपर्ना ओ शिक्षकहुकनके क्षमता विकासके लाग शिक्षकके मागमे आधारित शिक्षक तालिम एवं तालिम भत्ता वाफत रकम नेपाल सरकारसे तोकल बमोजिम व्यवस्था करेपर्ना मागसहित संघके अध्यक्ष सन्तोष चौधरी ज्ञापनपत्र हस्तान्तरण करल रहिट ।

अन्तर्राष्ट्रिय

पाकिस्तानी संसदीय चुनाव

इमरान खानसमर्थित स्वतन्त्र उम्मेदवार आगे

काठमाडौं, २७ माघ । पाकिस्तानके संसदीय (नेसनल एसेम्बली) के चुनावके प्रारम्भिक नतिजामे इमरान खानके पाकिस्तान तहरिक-ए इन्साफ(पीटीआई) समर्थित उम्मेदवार आगे देखाइल बा । खान ओ पीटीआईउप्पर चुनावमे सहभागी हुइना प्रतिबन्ध लगैलेसे फेन पीटीआईसमर्थित उम्मेदवार आगे देखाइल हो ।

पाकिस्तान चुनाव आयोगके वेबसाइटमे देखाइल नतिजाअनुसार अब्बेसम २४ सिटमे पीटीआईसमर्थित स्वतन्त्र उम्मेदवार आगे देखाइल बटैं । अस्टेक बिलाबल भुट्टोके पाकिस्तान पिपल्स पार्टी(पीपीपी) २४ सिटमे आगे होके पाकिस्तान मुस्लिम लिग (नवाज) भर १८ सिटमे अगे बटैं ।

अब्बेसम ६७ सिटके चुनावी नतिजा घोषणा हुइल बा । १९५ सिटके नतिजा भर अइना बाँकी बा । पाकिस्तानके संसद् ३३६ सिटके बा । उमध्ये २६६ सिटमे प्रत्यक्ष चुनाव हुइ । पाकिस्तानमे सरकार बनाइक लाग १३४ सांसद आवश्यक परठ । ७० सिट भर समानुपातिक प्रणालीसे चुनजाइठ । उमध्ये १० सिट गैरमुस्लिमके लाग छुट्याइल बा । ६० सिट भर महिलाके लाग छुट्याइल बा ।

बिफेक रोज सम्पन्न चुनाव निष्पक्ष नैहोके पीटीआई जनाइल बा । चुनावपाछे फेन चुनाव आयोगसे नतिजा सार्वजनिक करना ढिलाइ करल ओ फेरबदल करटि रहल ओकर आरोप बा । पीटीआईसे चुनाव आयोगसे सार्वजनिक नतिजामे धाँधली होके प्रमाणित हुइ कटि सामाजिक सञ्जालमे पोस्ट करल बा । कुछ पोस्टमे सार्वजनिक करल चुनावी नतिजामे कुल परल मतसे सदर मत ढेरसमेत डेखाइल बा ।

पीटीआई प्रान्तीय चुनावमे फेन अपन जित हुइल दाबी करले बा ।

बाली सुखे लागल ओरसे कृषक चिन्तामे

कालीकोट, २७ माघ । यिचोके पर्याप्त पानी नैपरके खडेरीसे भोकमरी निम्तना चिन्तामे किसान रहल बटैं । कालीकोट सुक्खा क्षेत्र पलाँता, पचालझरना गाउँपालिकामे बसोबास करना नागरिक अब्बेसम पानी नैपरल कारणसे भोकमरी हुइना चिन्तासे निराश हुइल बटैं । लम्मा समय पानी नैपरके हिमाली तथा पहाडी जिल्लामे मुख्य खाद्य बाली गहुँ ओ जौ जामे सेकल नैहो ।

कात्तिक/अगहनमे बोइल गहुँ ओ जौ कुछ ठाउँमे छिटेबेरके जुर माटिक कारणसे जम्लेसे फेन जहाँ सुक्खा जमिन रहे उ ठाउँमे अभिन जामल नैहो । माघ महिना ओरैलेसे फेन पानी नैपरके यहाँक नागरिकसे छिटल हिउँदे बाली सुखके पियर हुइल बा । छिटफुट परल पानीसे बालीहे कुछ फेन राहत नैकरलओरसे जामल गहुँ ओ जौ सुखे लागल कृषकके गुनासो बा । पलाँता-१ के छत्र कार्की आजसम पानी नैपरल ओरसे भोकमरी हुइना पक्का जस्टे हुइल बटैलैं । जब फेन माघमे परना पानीके आस रहे, यीचो पानी नैपरल कारण पलाँतामे भोकमरीके समस्या हुइना कार्कीके कहाइ बा । उहाँ कलैं, "हिउँदे बाली बोइबेरके जारसे बाली हरियर जस्टे डेखैलेसे फेन भित्तरसे सुकके पियर हुइल बा ।"

पलाँता-४ के जयमल बुढा आब हिउँदे बालीके आस मरसेकल बटैलैं । अब्बेसम पानी नैपरल कारण राडुनेटा, खिन, मुजुवाडालगायतके बाली उत्पादन हुइना क्षेत्र पूरे उजाड होसेकल बुढाके कहाइ बा । पलाँता-२ के गोरेबहादुर बम कलैं, "पानी माघके अन्तिममे परलेसे फेन बाली मजा उत्पादन हुइट मने यिचो आब पानी परना छाँट नैडेखाइठ ।" माटि एकडम मलगर ओ उत्पादनमुखी बा, पर्याप्त पानी परके यहाँक नागरिकहे दुई वर्षसम पुग्ना गहुँ उत्पादन हुइना उहाँ बटैलै । पानी नैपरल कारण खडेरी थेगे नैसेक्ना पलाँता, पचालझरना गाउँपालिका किल नैहोके, सिँचाइके व्यवस्था होके रास्कोट नगरपालिका, सान्नीत्रिवेणी, नरहरिनाथ, शुभकालिका गाउँपालिकामे फेन गहुँ बाली सुखल बा । जिल्ला सदरमुकाम मान्ममे फेन सिँचाइ नैहो । पानी परि ओ गहुँ बोब कहिके कुरल किसान निराश बटैं ।

जिल्ला कृषि विकास कार्यालय कालीकोटके प्रमुख भरत बस्नेत पानी नैपरके हिउँदे बालीसँगे स्याउ उत्पादनमे फेन कमी अइना बटैलैं । यी वर्ष हिउँदे बाली उत्पादनमे गिरावट अइना निश्चित रहल कार्यालयके अनुमान बा ।

समाजमे एकल...

लाग एकडम संघर्ष करटि ओज्रार मार्गओर नेंगल बटैं । विश्वके महिला एक हुइ कटि समाजिक, राजनीतिक, आर्थिक हरेक क्षेत्रमे आगे बह्दल बटैं । टबेमारे श्रीमान्के मृत्युपाछे महिला कैसिक एकल हुइलैं ? श्रीमान्के परिवार अपन नैहो का ! अस्टे अस्टे सकारात्मक सोचके फलस्वरूप एकल महिला कना नैमिलि कि कना जस्टे फेन लागठ ।

अन्त्यमे महिला सृष्टिके संरचनाके मूल आधार हो । मरना ओ बच्ना प्रकृतिके चक्र हो । यी चक्रहे हम्रे आत्मसात् करे परठ । समानताके यी युगमे एकल महिलाके जीवनहे सार्थक बनाइक लाग जो कोइ फेन सहयोग करे सेक्ठैं । बस् मनमे इच्छा हुइ परल, हातमे सीप ओ जाँगर हुइ परठ । परिवार, समाज, राष्ट्रके विकासमे महिला सशक्तीकरण आजके आवश्यकता हो ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरु पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरु थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सूचनाके हक कार्यान्वयनमे मुख्यमन्त्रीके प्रतिवद्धता

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ माघ । सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह सूचनाके हक कार्यान्वयनके लाग अपने प्रतिबद्ध रहल बटैले बाटै ।

कैलालीमे शुकसे सुरु हुइल सूचनाके हकसम्बन्धी अभिमुखीकरणमे मुख्यमन्त्री शाह सूचनाके हकके प्रभावकारी कार्यान्वयनके लाग वातावरण निर्माण कैना सरकार तयार रहल स्पष्ट पारल रहिट । उहाँ कहलै, "राज्यके निकायमे जबाफदेहिताओ पारदर्शिता नैरही कलेसे हम्रे कहाँरो पुगे नैसेकब, यम्ने सूचनाके हकके विषय महत्त्वपूर्ण रहल बा ।"

राष्ट्रिय सूचना आयोगके प्रमुख सूचना आयुक्त महेन्द्रमान गुरुङ सुशासन ओ आर्थिक समृद्धिके लाग सूचनाके हकके प्रयोग ओ प्रचलनमे नागरिकके अर्थपूर्ण सहभागिता हुइना

जरुरी रहल बटैलै । सूचनाके हकके लाग राष्ट्रिय महासंघके अध्यक्ष उमीद बागचन्द राज्यसे लानल सूचनाके हकके कानुनहे प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन कैटी नागरिकके हितके लाग इ अभियान सुरु करल बटैलै ।

सूचनाके हक कार्यान्वयनके अभियन्ता यदुनाथ बञ्जारा सूचनाके हकसम्बन्धी ऐन २०६४ मे प्रत्येक सार्वजनिक निकायसे आपन गतिविधि तीन-तीन महिनामे स्वत: प्रकाशन करे पर्ना ओ सूचना मागे अउइयाहे १५ दिनमे सूचना डेहे पर्ना कानुनी व्यवस्था रहल बटैलै । उ कार्यक्रममे प्रदेशके आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालयके सचिव सुशील वैद्य, पत्रकारद्वय दीर्घराज उपाध्याय ओ चित्रांग थापालगायत फेन सूचनाके हक कार्यान्वयनके वर्तमान अवस्थाके जानकारी कराइल रहिट ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके टमान जिल्लाके सञ्चारकर्मीके सहभागिता रहल अभिमुखीकरण शनिच्चरके सञ्चालन हुइल बा । नेपालके संविधान २०७२ मे नागरिकके मौलिक हकके रुपमे सूचनाके हकके व्यवस्था करले बा ओ मुलुकमे सूचनाके हकसम्बन्धी अलग्गे कानुन फेन रहल बा । मनेकतिपय सार्वजनिक निकायसे आपन करल गतिविधिके सूचना प्रवाहमे आलटाल कैना करल पाइल बा । राष्ट्रिय सूचना आयोगस गैल १६ बरसमे सूचना नैडेना टमान निकायके ३६ से ढेर सूचना अधिकारी ओ कार्यालय प्रमुखहे कारबाही करे पर्ना अवस्था आइल जानकारी उ कार्यक्रममे डेहल रहे ।

लगानीके वातावरण बनाडेना आग्रह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ माघ । सरकारसे लगानीके लाग स्पष्ट नीतिगत व्यवस्था नैकरटसम लगानी करे नैसेक्ना व्यवसायी बटैले बाटै ।

नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेशके सातौं प्रदेश सभाके उद्घाटनके क्रममे उहाँहुक्के ओइसीन बटाइल हुइट । लगानीके वातावरण बनाइक लाग सरकारहे उहाँहुक्नके आग्रह रहल बा ।

महासंघके केन्द्रीय उपाध्यक्ष सुरकृष्ण वैद्य लगानीके लाग स्पष्ट नीतिके व्यवस्था कैना सरकारहे आग्रह करल रहिट । "काम कैना वातावरण बनी कलेसे हम्रे लगानी कैना तयार बाटी", उहाँ कहलै ।

मुलुक युवाविहीन हुइना अवस्थामे पुगल कहटी उपाध्यक्ष वैद्य विदेश पलायन रोकक् लाग मुलुकके शिक्षा नीति ओ उद्योग नीतिमे परिवर्तन कैना आवश्यक रहल औंल्याइल रहिट । युवाहे स्वरोजगार बनाइक लाग बिना धितो ऋण उपलब्ध करैना जरुरी रहल उहाँके कहाइ रहे ।

ओस्टके, महासंघके औरे उपाध्यक्ष हेमराज ढकाल मुलुक चरम आर्थिक संकटसे गुज्रटी रहल कहटी इ अवस्था तत्काल सुढरे नैसेक्ना बटैलै । उहाँ कहलै,"इहीहे सुढारक लाग बजारहे चलायमान बनैना आवश्यक रहल बा । ओकर लाग सरकारसे विशेष पुनर्रोत्थान प्याकेज घोषणा करे परल । साथसाथे, लगानी सम्मेलन करे परल ।"

इहेबिच, सुदूरपश्चिम प्रदेशके उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरणमन्त्री रमेशसिंह धामी निजी क्षेत्र सरकारके महत्वपूर्ण साझेदार निकाय रहल उल्लेख करल रहिट । उहाँ सरकारहे सफल वा असफल बनैनामे निजी क्षेत्रके बरवार भूमिका रहना करल उहाँ उल्लेख करल रहिट ।

प्रदेशमे स्वरोजगारके अवसर सृजना हुइ परल कना उद्देश्यके साथ प्रदेश सरकार लगानी तथा विकास सम्मेलन कैना तयारीमे जुटल मन्त्रीके कहाइ रहे । देश विदेशके लगानीहे इ प्रदेशमे कैसिक भित्र्याए सेकजाइ कना सवालमे प्रदेश सरकार गम्भीर रहल उहाँ बटैलै । कार्यक्रम नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेश अध्यक्ष शंकर बोगटीके अध्यक्षतामे हुइल रहे ।

क्यानडाविरुद्धके डुसरा एकदिवसीयमे नेपाल ४ विकेटसे विजयी

काठमाडौं, २७ माघ । क्यानडाविरुद्धके डुसराएकदिवसीय क्रिकेटमे फेन नेपाल विजयी हुइल बा ।

त्रिवि क्रिकेट मैदानमे क्यानडासे डेहल २८६ रनके लक्ष्य नेपालसे २९ बल बाँकी रहटी ६ विकेट गुमाके भेटाइल हो । नेपालके जितके लाग कप्तान रोहित पौडेलसे ८७, देव खनालसे७६, अनिलकुमार साह ५०,भीम सार्की २३ ओ पवन सर्राफ १४ रनके योगदान करल रहिट । ओस्टकेआसिफ सेख १०, कुशल मल्ल ओ सोमपाल कामी समान ९/९ रन जोरल रहिट ।

क्यानडाविरुद्धके ३ एकदिवसीय सिरिजमे नेपाल दुई खेल जिटसृकल बा । अन्तिम एकदिवसीय सिरिज सोम्मारके हुइना बा । त्रिवि क्रिकेट मैदान, कीर्तिपुरमे टस जिटके ब्याटिङ रोजल क्यानडा मजा सुरुवात करल रहे । ओपनरद्वय आरोन जोनसज ओ नवनित दालिवा पहिल विकेटके लाग ९४ रनके साझेदारी करल रहिट ।

मने १९औं ओभरके डुसरा बलमे डेब्यूटेन्ट आकाश चन्द नवनितहे ४६ रनमे आउट करल रहिट । जोनसन ६५ रनमे आउट हुइल रहिट, जौन बेला क्यानडाके स्कोर १२६ रन रहे ।

ओकरपाछे फेन प्रगत सिंह ओ निकोलस किर्तोन पारी सम्हर्ना प्रयास करल रहिट । मने ३२ औं ओभरमे कप्तान रोहितकुमार पौडेल लगातार दुई विकेट लेटी क्यानडाउपर दबाव बनाइल रहिट ।

ओभरके डुसरा बलमे उहाँ प्रगतहे ३८ रनमे आउट करल रहिट । स्वीप खेल्ना क्रममे डीप स्क्वायर लेगमे सोमपाल कमी उहाँहि क्याच आउट करल रहिट ।

पाँचौं बलमे विकेटकिपर आसिफ शेख किर्तोनहे स्टम्पिङ करल रहिट । उहाँ २० रनमे आउट हुइल रहिट, जौनबेला क्यानडाके स्कोर १८०/४ रहे ।

मने सातौं नम्बरके ब्याटर श्रेयश मोभ्भा ओ दशौं नम्बरके उदय भागवान ९ औं विकेटके लाग ४४ रनके साझेदारी करल रहिट । ४० रन बनाइलमोभ्भा अन्तिम बलमे आउट भर भागवन २० रनमे नट आउट रहल रहिट ।

नेपालके लाग कप्तान रोहित ओ कुशल मल्ल समान २ तथा पवन सर्राफ, आकाश चन्द, सूर्य तामाङ ओ सोमपाल कामी समान १ विकेट लेहल रहिट । सूर्य एक दिवसीय करिअरके पहिल विकेट लेहल रहिट ।

साबुन पानीसे मिसमिस हात धुइलेसे हेरुनीपोक्नी ओ अन्य सरुवा रोगसे बँचे सेक्जाईठ् ।

लागूऔषधसहित तीन पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २७ माघ । कैलालीके धनगढीमे लागूऔषधसहित तीन जाने पक्राउ परल बाटै ।

धनगढी उपमहानगरपालिका-९ से १ ग्राम लागूऔषधसहित उहे ठाँउ बैठुइया २४ वर्षीय राज चौधरी, ३० वर्षीय संजय यादब ओ २९ वर्षीय सुरेन्द्रश्रेष्ठ शुकके साँझ प्रहरी पक्राउ करल हो ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे लागूऔषधसहित फेला पारके तिनु जनहनहे पक्राउ करल हो । उ सम्बन्धमे प्रहरी थप अनुसन्धान करटी रहल जनैले बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं, व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा राम्रो साझा प्रतिवद्धता ।
- बालश्रमको पंयोग नगरौं, नगराऔं ।
- बालश्रमको अन्त्य गरी शिक्षातर्फ उन्मुख गराऔं ।
- बालश्रम शाषण विरुद्धको अभियानमा हातेमालो गरौं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रूपमा गर्नु गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो, अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरूपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- रोजगार र श्रमिकबीच सुमधुर सम्बन्ध कायम गरौं ।
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. सौरभ सुवेदी
फिजिसियन

डाक्टर आउने मिति:
प्रत्येक दिन २४ औं घण्टा

सेवाहरू:
- पेट, मुटु तथा छातीको रोगसम्बन्धी समस्या,
- मधुमेह (डायविटिज) समस्या,
- कलेजो रोग सम्बन्धी समस्या,
- TB, हेपाटाइटिस रोगको समस्या,
- ब्लड प्रेसर तथा हृदय रोग सम्बन्धी समस्या ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

***हाम्रा सेवाहरू**: १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरु, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

शीत-लहरके समयमे घरबाहेर खुला स्थानमे ढेर समय नबिटाइ, घरबाहेर निक्रे परलमे वा ढेर समय बिटाइ परना हुइलेसे डंडुर कपरा घाली ।